डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

DFC News

डीएफसी समाचार

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम
WE BELIEVE IN SINCERITY, SPEED & SUCCESS

वर्ष 8, अंक 28 जुलाई–सितम्बर, 2017

श्री पीयूष गोयल ने रेल मंत्री का पदभार संभाला

नए रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल (दायें) को बधाई देते पूर्व रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभु (मध्य) साथ में हैं रेल राज्य मंत्री श्री राजन गोहेन (बायें)

श्री पीयूष गोयल ने 4 सितम्बर, 2017 को रेल मंत्री का कार्यभार संभाल लिया। श्री गोयल कोयला मंत्री भी हैं। इससे पहले श्री पीयूष गोयल विद्युत, कोयला, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा तथा खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के पद पर थे। पदभार संभालने के बाद रेल मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में रेलवे में भारी निवेश हुआ है और यह निश्चित रूप से रेलवे के विकास में सहायक होगा। उन्होंने अपने पूर्ववर्ती श्री सुरेश प्रभाकर प्रभु के प्रयासों की सराहना की।

श्री गोयल के पिछले कार्यकाल में भारत पहली बार ऊर्जा और कोयले का सुरक्षित भंडार वाला देश बना। बिजली के क्षेत्र में काफी सुधार हुआ और इसके परिणामस्वारूप नवीकरणीय ऊर्जा की अतिरिक्त क्षमता बढ़ी और यह क्षमता परंपरागत बिजली से अधिक रही।

श्री पीयूष गोयल वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं (वे पहले 2010 में राज्यसभा के लिए चुने गए थे और 2016 में फिर से निर्वाचित हुए)। श्री गोयल पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष थे। उन्होंने भाजपा की सूचना संचार अभियान समिति का नेतृत्व किया और भारतीय आम चुनाव 2014 के लिए सोशल मीडिया reach सहित पार्टी के प्रचार और विज्ञापन अभियान की देखरेख की।

उनका अकादमिक रिकार्ड शानदार रहा है। वे अखिल भारतीय द्वितीय रैंक धारक चार्टर्ड अकाउंटेंट और मुंबई विश्वविद्यालय में कानून में द्वितीय रैंकधारक रहे। वह एक प्रसिद्ध निवेश बैंकर रहे और उन्होंने शीर्ष कम्पनियों को प्रबंधन रणनीति और विकास पर सलाह दी है। उन्होंने भारत के सबसे बड़े वाणिज्यिक बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा के बोर्ड में भी अपनी सेवा दी।

उन्होंने येल विश्वविद्यालय (2011), ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय (2012) और प्रिंसटन विश्वविद्यालय (2013) में नेतृत्व कार्यक्रम में भाग लिया। उन्हें 2002 में नदियों को आपस में जोड़ने के लिए बने प्रतिष्ठित कार्यबल में भी भारत सरकार द्वारा नामित किया गया था।

श्री अश्विनी लोहानी रेलवे बोर्ड और DFCCIL के नए अध्यक्ष नियुक्त

श्री अश्विनी लोहानी को रेल मंत्रालय में रेलवे बोर्ड का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। श्री लोहानी ने 24 अगस्त 2017 को अपनी नई नियुक्ति का प्रभार ग्रहण किया। पदानुसार ये भारत सरकार के प्रधान सचिव के समतुल्य है। श्री लोहानी ने, इसके बाद, 30 अगस्त 2017 को डीएफसीसीआईएल के नये अध्यक्ष का पदभार भी संभाल लिया। इससे पहले श्री अश्विनी लोहानी एयर इंडिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक थे।

पदभार ग्रहण करने के बाद श्री लोहानी ने रेलवे बोर्ड के सदस्यों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। बाद में, उन्होंने रेलवे बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों को संबोधित भी किया। श्री लोहानी ने रेल मंत्रालय, केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय और मध्य प्रदेश सरकार में विभिन्न पदों पर कार्य किया है। रेलवे में उन्होंने दक्षिण मध्य, पूर्वी और उत्तरी रेलवे के साथ–साथ वाराणसी स्थित डीजल लोकोमोटिव वर्क्स और चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में भी काम किया है।

उन्होंने वैकल्पिक ईंधन के भारतीय रेलवे संगठन (आईआरओएएफ) में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, उत्तर रेलवे में मुख्य मैकेनिकल इंजीनियर, दिल्ली प्रभाग में मंडल रेलवे प्रबंधक, नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में निदेशक, भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय में निदेशक, भारत पर्यटन विकास निगम के प्रबंध निदेशक (सीएमडी), मध्य प्रदेश पर्यटन में एमडी और रेलवे में कई अन्य महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है।

श्री लोहानी के शैक्षणिक एवं कार्य उपलब्धियों की फेहरिस्त काफी लंबी है। उनका नाम चार इंजीनियरिंग डिग्रियों के लिए 2007 में लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज है। उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र के तीन उद्यमों के कायाकल्प का श्रेय दिया जाता है। इनमें भारतीय पर्यटन विकास निगम, मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम और एयर इंडिया जैसे प्रतिष्ठित उद्यम शामिल हैं। विभिन्न क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें दर्जनों पुरस्कारों एवं अवार्ड्स से सम्मानित किया जा चुका है।

डीएफसी नेटवर्क के सबसे बड़े ब्रिज का निर्माण कार्य पूरा

डीएफसी ने पूर्वी कोरीडोर के मुगलसराय–सोननगर सेक्शन के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस सेक्शन में सोन नदी पर बन रहे सोन ब्रिज का सिविल निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। इस ब्रिज को पूरा करने में इंजीनियरिंग से जुड़ी अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद डीएफसी टीम ने इस ब्रिज का सिविल कार्य केवल 1216 दिनों में पूरा करके अपनी कुशलता, कार्यक्षमता एवं तत्परता का परिचय दिया। सोन ब्रिज डीएफसी नेटवर्क का सबसे लंबा पुल है, जिसकी लंबाई 3.06 किमी है। इस पुल की चौड़ाई 12.5 मीटर है, जिसपर दो ट्रैक बिछाए जा सकते हैं। इस पुल को 32.5 टन एक्सल लोड की भार–वहन क्षमता के अनुसार तैयार किया गया है, जो मौजूदा रेलवे पुलों की भार–वहन क्षमता से ज्यादा है। इस पुल के पूरा होने के बाद मुगलसराय–सोननगर सेक्शन पर चल रहे निर्माण कार्यों में और तेजी आने की संभावना है।

जुलाई–सितंबर 2017 तिमाही की मुख्य उपलब्धियां

प्रमुख उपलब्धियां

रेवाड़ी–इकबालगढ़ सेक्शन

- अब तक 10 बड़े पुलों, 13 छोटे पुलों और 7 रोड ओवर ब्रिजों का निर्माण
- तिमाही के दौरान 91 किमी मेकेनाइज्ड ट्रैक लिंकिंग, अब तक कुल 30.11% ट्रैक लिंकिंग

भाऊपुर–मुगलसराय सेक्शन

- 180 किमी से ज्यादा के स्ट्रेच में अर्थवर्क प्रगति पर
- 28 बड़े पुलों और 275 छोटे पुलों का निर्माण कार्य जारी
- रामवा में कंक्रीट स्लीपरों का उत्पादन शुरु
- पहाड़ा में पहले 10,000 स्लीपरों का उत्पादन शुरु
- टोंस और यमुना जैसे महत्वपूर्ण ब्रिजों का निर्माण कार्य निर्धारित समय के अनुसार जारी

भाऊपुर–खुर्जा सेक्शन

- तिमाही के दौरान 15.82 किमी ब्लैंकेटिंग
- तिमाही के दौरान 46.87 किमी मेकेनाइज्ड ट्रैक लिंकिंग, अब तक कुल 276.11 किमी ट्रैक लिंकिंग

पूर्वी डीएफसी

- **साहनेवाल–पिलखनी सेक्शनः** सिविल कार्यों के लिए लगभग 50% डिजाइन कार्य पूरा। 12% स्ट्रेच में अर्थवर्क का कार्य जारी। 21% बड़े पुलों और 9% छोटे पुलों का निर्माण कार्य जारी। सिस्टम कार्यों के RFP के लिए प्री–सबमिशन कांफ्रेंस आयोजित।
- वर्ल्ड बैंक ने EDFC-1 (खुर्जा–भाऊपुर) और EDFC–2 (भाऊपुर–मुगलसराय) के लोन के re-structure को मंजूरी देकर उन्हें क्रमशः 800 मिलियन यू.एस. डॉलर और 910 मिलियन यू.एस. डॉलर कर दिया है। साथ ही EDFC–1 के लोन को 31.12.2018 तक आगे बढ़ा दिया है।
- **खुर्जा–दादरी सेक्शनः** सिस्टम कार्यों के RFP के लिए प्री–सबमिशन कांफ्रेंस आयोजित।
- पूर्वी डीएफसी– 3 (खुर्जा–लुधियाना) के फेज I एवं II के लिए Social – Environmental Safeguard Monitoring and Review Consultant (SESMRC) हेतु Expression of Interest प्राप्त किया गया। वर्ल्ड बैंक की क्लियरेंस के लिए मूल्यांकन रिपोर्ट जमा।
- पूर्वी डीएफसी– 2 (भाऊपुर–मुगलसराय) में सिग्नलिंग कार्यों के लिए Independent Safety Assessment (ISA) कंसल्टेंट की नियुक्ति हेतु Request for Proposal (RFP) पर वर्ल्ड बैंक की क्लियरेंस प्राप्त।

पश्चिमी डीएफसी

- साबरमती और माही नदियों पर ब्रिजों का निर्माणः दोनों नदियों पर फाउंडेशन कार्य प्रगति पर। 46% कंक्रीटिंग कार्य पूरा। कुल भौतिक प्रगति लगभग 30% और कुल वित्तीय प्रगति लगभग 25.8%
- इकबालगढ़–मकरपुरा सेक्शन (289 किमी): सर्वे एवं जियोटेक्निकल जांच कार्य पूरा। डिजाइन कार्य प्रगति पर। Clearing, Grubbing, अर्थवर्क और स्ट्रक्चरल कार्यों की शुरुआत। कुल भौतिक प्रगति 13.2% और कुल वित्तीय प्रगति 10.6%
- सचीन–वैतरणा सेक्शन (186 किमी): संपूर्ण सेक्शन के Right of Way (ROW) की वेरिफिकेशन पूरी और 148.15 किमी साइट कांट्रैक्टर को सुपुर्द। Clearing और Grubbing का कार्य शुरु।
- वडोदरा–सचीन सेक्शन (134 किमी): भौतिक कार्य शुरु। 131 किमी ROW की वेरिफिकेशन जांच पूरी और 131 किमी साइट कांट्रैक्टर को सुपुर्द। कुल भौतिक प्रगति 8%, कुल वित्तीय प्रगति 5.3%
- रेवाड़ी–दादरी सेक्शन (128 किमी): कांट्रैक्टर द्वारा ROW का वैधीकरण कार्य शुरु। कुल 133.7 किमी में 122 किमी ROW का वेरिफिकेशन पूरा और 133 किमी साइट कांट्रैक्टर को सुपुर्द। सर्वे और जियोटेक्निलक जांच प्रगति पर। कुल भौतिक प्रगति 8% और कुल वित्तीय प्रगति 4.87%
- वैतरणा–जेएनपीटी सेक्शन (102 किमी): 97.9 किमी ROW का वैधीकरण कार्य पूरा और कांट्रैक्टर को सुपुर्द। सर्वे और जियोटेक्निकल जांच प्रगति पर। कुल भौतिक प्रगति 7% और कुल वित्तीय प्रगति 4.7%
- मकरपुरा–जेएनपीटी सेक्शन (443 किमी): OHE इलेक्ट्रिकल पैकेज के अंतर्गत सर्वे और जिओटेक्निकल जांच कार्य पूरा। डिजाइन कार्य प्रगति पर। खरबाओ ट्रैक्शन सब–स्टेशन का भौतिक कार्य जारी। कुल भौतिक प्रगति 10.75%, कुल वित्तीय प्रगति 10.60%। सिग्नल एवं टेलीकॉम पैकेज के अंतर्गत जांच एवं डिजाइन कार्य पूरा। कुल भौतिक एवं वित्तीय प्रगति 10%

भूमि अधिग्रहण

- सितम्बर 2017 तक कुल 97.3% भूमि अधिग्रहित (इसमें सोननगर–डानकुनि का पीपीपी सेक्शन शामिल नहीं है)
- रु. 12317 करोड़ (पूर्वी डीएफसीः 6549 करोड़, पश्चिमी डीएफसी 5768 करोड़) क्षतिपूर्ति का भुगतान

परिचालन एवं व्यवसाय विकास

- ISMD: सब्जेक्ट रिपोर्ट ऑन सेफ्टी, ऑपरेशन मैन्युअल, मकैनिकल, टेलीकॉम मैन्युअल, सिग्नल मैन्युअल, एस ऐंड टी सब्जेक्ट रिपोर्ट, इलेक्ट्रिकल मैनुअल की समीक्षा जारी
- CSNDAD: अंतिम रिपोर्ट रेलवे बोर्ड को जमा, बोर्ड द्वारा समीक्षा जारी
- DMCSD: वर्ल्ड बैंक के प्रतिनिधि को मेसर्स PWC द्वारा KD-2C पर Heavy haul network suitability and development of DMCSD प्रेजेंटेशन। रेलवे बोर्ड के कमेंट का इंतजार।

मानव संसाधन

- जुलाई 2017 के दौरान आर्बिट्रेशन, जीएसटी, IPWE एवं ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर जैसे विषयों पर आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 18 अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण
- अगस्त 2017 के दौरान विभिन्न विषयों पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 43 अधिकारी एवं कर्मचारी प्रशिक्षित
- सितंबर 2017 के दौरान माइंड मैप्स, एशिया पेसिफिक HRM कांग्रेस,

IND-AS जैसे विषयों पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 27 अधिकारी एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण

- तिमाही के दौरान 6 अधिकारियों ने प्रतिनियुक्ति (Deputation) पर DFCCIL ज्वाइन किया। इस दौरान 4 कार्यकारी / सिविल, 9 कार्यकारी / S&T एवं इलेक्ट्रिकल, 1 कनिष्ठ कार्यकारी/ सिविल, 35 मल्टी टास्किंग स्टाफ (N1 ग्रेड, ऑपरेटिंग) ओपन मार्केट से भर्ती किए गए।

स्वच्छता पखवाड़ा

डीएफसीसीआईएल में दिनांक 16 से 31 अगस्त 2017 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इसी क्रम में प्रबंध निदेशक श्री अंशुमान शर्मा ने दिनांक 28.08.2017 को नई दिल्ली स्थित कॉर्पोरेट कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई।

डीएफसीसीआईएल में हिंदी पखवाड़ा एवं कवि सम्मेलन का आयोजन

(कवि सम्मेलन में आए कवियों के साथ प्रबंध निदेशक श्री अंशुमान शर्मा एवं अन्य अधिकारीगण)

(हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित निबंध प्रतियोगिता के लिए कार्यकारी / भूमि अधिग्रहण श्री शशांक शेखर को पुरस्कृत करते निदेशक / परिचालन एवं व्यवसाय विकास श्री एच.डी. गुजराती)

डीएफसीसीआईएल में दिनांक 01 सितंबर से 14 सितंबर तक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिंदी निबंध, हिंदी टिप्पण, शब्द एवं सामान्य ज्ञान एवं राजभाषा प्रश्नमंच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिनांक 7.09.2017 को एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया जिसमें देश के प्रख्यात कवियों ने काव्य पाठ कर श्रोताओं मन मोह लिया। हिंदी प्रतियोगिताओं में कॉर्पोरेट एवं परियोजना कार्यालयों के अधिकारियों / कर्मचारियों द्वारा बड़े ही उत्साह से भाग लिया।

दिनांक 14.9.2017 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में पखवाड़ा का समापन एवं पुरस्कार वितरण तथा प्रबंध निदेशक महोदय की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का भी आयोजन किया गया। बैठक में जून–2017 को समाप्त तिमाही अवधि में हिंदी में किए गए कार्य की समीक्षा की गई। मुख्य राजभाषा अधिकारी द्वारा माननीय रेल मंत्री जी द्वारा जारी हिंदी संदेश का वाचन किया गया। समापन समारोह में हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को श्री अंशुमान शर्मा, प्रबंध निदेशक एवं अन्य निदेशकों के कर कमलों से नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। प्रबंध निदेशक ने अपने संबोधन में डीएफसीसी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने का आव्हान किया।

सद्भावना दिवस शपथ

प्रबंध निदेशक श्री अंशुमान शर्मा ने नई दिल्ली स्थित कॉर्पोरेट कार्यालय में दिनांक 18.08.2017 को डीएफसीसीआईएल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सद्भावना शपथ दिलाई

डीएफसी ने बनाया कीर्तिमान, रेवाड़ी–इकबालगढ़ सेक्शन के अंतर्गत एक महीने में 41 किमी. मैकेनाइज्ड ट्रैक लिंकिंग

(डीएफसी में एनटीसी मशीन द्वारा ट्रैक लिंकिंग)

डीएफसी ने मेकेनाइज्ड ट्रैक लिंकिंग का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। डीएफसी ने पश्चिमी कोरीडोर में जुलाई माह के दौरान कुल 41 किमी ट्रैक लेइंग और लिंकिंग की है, जोकि एक रिकॉर्ड है। यह ट्रैक लिंकिंग रेवाड़ी–इकबालगढ़ सेक्शन के न्यू फुलेरा और न्यू श्रीमाधोपुर डीएफसी स्टेशनों की बीच की गई है।

इसके अतिरिक्त, डीएफसी ने एक दिन के अंदर सबसे ज्यादा ट्रैक लिंकिंग का रिकॉर्ड भी बनाया है। रेवाड़ी–इकबालगढ़ सेक्शन में ही न्यू फुलेरा और पचार मलिकपुर डीएफसी स्टेशनों के बीच एक दिन में 3.25 किमी मेकनाइज्ड ट्रैक लिंकिंग की गई है।

गौरतलब है कि भारतीय रेल के इतिहास में पहली बार न्यू ट्रैक कंस्ट्रक्शन (एनटीसी) मशीन द्वारा ट्रैक लिंकिंग का कार्य किया जा रहा है। एनटीसी मशीन में एक दिन में औसतन 1.5 किमी ट्रैक लिंकिंग करने में सक्षम है। यह मशीन लगातार कार्य करने एवं उत्पादकता बढ़ाने के साथ–साथ बचाव, कार्यकुशलता और गुणवत्ता के लिहाज से भी उपयुक्त पाई गई है। एनटीसी मशीन एक मिनट में 10 कंक्रीट स्लीपर सटीक स्पेसिंग और बराबर चौड़ाई के साथ बिछा सकती है। नए ट्रैकों को बिछाने के लिए यह सबसे उपयुक्त एवं कारगर मशीन है।

माह के उत्कृष्ट कर्मचारी

जुलाई 2017

श्री महावीर सिंह
उप परियोजना प्रबंधक/ विद्युत/मेरठ

पॉवर ग्रिड और उत्तर प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन लि. की 8 लाइनें डीएफसी अलाइनमेंट को बाधित कर रही थीं। श्री महावीर सिंह ने अपनी कार्यकुशलता का परिचय देते हुए उनके नवीनीकरण के लिए न्यूनतम दूरी का रूट तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके प्रयासों के कारण डीएफसीसी–आईएल को रु. 62.3 करोड़ की बचत हुई। उन्होंने बुलंदशहर जिले में 3.5 एकड़ वन भूमि का क्लियरेंस दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई।

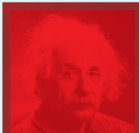

अनमोल वचन

"कामयाबी और उसके साथ आने वाली बेचैनी की बजाय एक शांत और विनम्र जीवन आपको अधिक खुशी देगा।"

अल्बर्ट आइंस्टीन

कार्य की प्रगति

पूर्वी डीएफसी के मुगलसराय–सोननगर सेक्शन के अंतर्गत न्यू सोननगर के पास बन रहा मेजर ब्रिज

पश्चिमी डीएफसी के रेवाड़ी–इकबालगढ़ सेक्शन के अंतर्गत जैतपुरा (फुलेरा, राजस्थान) के पास तैयार डीएफसी ट्रैक

पूर्वी डीएफसी के खुर्जा–भाऊपुर सेक्शन के अंतर्गत अलीगढ़ के पास निर्माणाधीन मेजर रोड अंडर ब्रिज

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रकाशित। कृपया पत्र–व्यवहार इस पते पर करें: संपादक, डीएफसी समाचार,
पंचम तल, प्रगति मैदान, मेट्रो स्टेशन भवन परिसर, नई दिल्ली– 110001, फैक्स 91-112345827, ईमेल: mowais@dfcc.co.in, rkhare@dfcc.co.in
वेबसाइट: www.dfccil.gov.in **संपादक:** मो. ओवैस, **सह-संपादक:** राजेश खरे
www.facebook.com/dfccil.india www.twitter.com/dfccil_india www.youtube.com/dfccilindia